

शंखमुख पुं. (तत्.) मगर, घड़ियाल।

शंखयूथिका स्त्री. (तत्.) जूही।

शंखलिखित पुं. (तत्.) 1. न्यासी राजा 2. (शंख-लिखित) शंख और लिखित नामक दो स्मृतिकार वि. निर्दोष।

शंखवात पुं. (तत्.) मस्तक पीड़ा।

शंखविष पुं. (तत्.) संख्या, जहर।

शंखस पुं. (तत्.) शंख से बना हुआ कड़ा, कंगन।

शंखस्वन पुं. (तत्.) शंख से उत्पन्न ध्वनि।

शंखांतर पुं. (तत्.) ललाट, मस्तक।

शंखाकार पुं. (तत्.) शंख की चीजें बनाने वाली एक जाति।

शंखाख्य पुं. (तत्.) शंख नामक।

शंखालु पुं. (तत्.) सफेद शकरकंद।

शंखासुर पुं. (तत्.) एक दैत्य जो वेदों को चुराकर समुद्र में छिप गया और मत्स्यावतार धारण करके विष्णु ने उसका वध किया।

शंखाहली स्त्री. (तत्.) दे. शंखपुष्पी।

शंखिका स्त्री. (तत्.) 1. कर्णपीठ, श्रवणनलिका का बाहरी सिरा 2. एक वृक्ष जिसके पुष्प शंख के आकार वाले होते हैं।

शंखिकी स्त्री. (तत्.) शंख-विद्या, शंख को काटकर उससे बनने वाली वस्तुओं संबंधी विद्या।

शंखिनिका स्त्री. (तत्.) ग्रंथिपर्णी नामक ओषधि।

शंखिनी स्त्री. (तत्.) 1. एक वनौषधि 2. मुखनाड़ी 3. एक प्रकार की अप्सरा 4. कामशास्त्र में वर्णित स्त्रियों के चार प्रकारों में से एक 5. बौद्धों द्वारा मानी जाने वाली एक शक्ति।

शंखी पुं. (तत्.) 1. विष्णु 2. समुद्र 3. शंख का काम करने वाला।

शंखोदरी स्त्री. (तत्.) वृक्ष विशेष का नाम।

शंगर पुं. (तत्.) एक वृक्ष विशेष।

शंगरफ पुं. (फ़ा.) इंगुर, शिंगरफ।

शंठ पुं. (तत्.) हिजड़ा, नपुंसक।

शंड पुं. (तत्.) 1. साँड 2. एक दैत्य 3. अंतःपुर का परिचारक 4. दही 5. नपुंसक, हिजड़ा।

शंडक पुं. (तत्.) 1. मदिरा बनाने वाला, शराब उतारने वाला 2. युद्ध का वाद्य यंत्र, युद्ध का गीत, रणभेरी।

शंडामर्क पुं. (तत्.) शंड और अमर्क नामक दो असुर।

शंडील पुं. (तत्.) एक ऋषि जिनके नाम पर 'शांडिल्य' गोत्र चला।

शंढ पुं. (तत्.) 1. नपुंसक, वंध्य पुरुष 2. राजा के अंतःपुरमें स्त्रियों का रक्षक 3. साँड वि. उन्मत्त।

शंपा स्त्री. (तत्.) 1. विद्युत, बिजली 2. कमर, कटि 3. मेखला।

शंपाक पुं. (तत्.) आयु. आरग्वध, अमलतास आयुर्वेद में औषध विशेष में इसका प्रयोग किया जाता है।

शंब पुं. (तत्.) 1. इन्द्र देवता का एक वज्र 2. मूसल के अन्न कूटने वाले सिरे पर लगी लोहे की गड़ारी 3. एक राक्षस 4. लोहे की जंजीरनुमा सिकड़ी जिसे कमर में पहना जाए 5. हल से खेत की दोबारा जोताई 6. लम्बाई की एक मापक इकाई वि. 1. प्रसन्न, भाग्यशाली, सुखी 2. दरिद्र, बेचारा, अभाग, भाग्यहीन।

शंबर पुं. (तत्.) 1. एक राक्षस जिसे प्रद्युम्न ने मारा था 2. एक प्रकार का शस्त्र 3. युद्ध 4. बादल 5. जल 6. धन 7. एक प्रकार की मछली 8. साबर मृग 9. बौद्ध व्रत का एक भेद 10. एक प्रकार का पर्वत 11. एक जिन 12. चित्रक वृक्ष, लोध्र वृक्ष, अर्जुन वृक्ष 13. धर्मानुष्ठान वि. श्रेष्ठ।

शंबरारि पुं. (तत्.) शंबर नामक राक्षस को मारने वाला प्रद्युम्न, कामदेव।

शंबरी स्त्री. (तत्.) 1. एक प्रकार की लता 2. माया 3. जादूगरनी।

शंबल पुं. (तत्.) 1. किनारा 2. पाथेय, यात्रा के लिए भोज्य पदार्थ 3. ईर्ष्या, डाह, मत्सर।